बाप की याद से पवित्र बनो, आत्मा की बैटरी चार्ज करो

घर जाना वापिस, नैचुरल अब पवित्र बनो

बाबा तुम्हें मरना सिखलाते मरजीवा बनाते

देह-भान से परे ले जाने का अभ्यास कराते

आत्मा ऊपर घर से आती पार्ट बजाने

वहाँ की रहने वाली,वही लौट उसको वापिस जाना

इस शरीर रूपी कपड़े से ममत्व निकाल

पुराने हिसाब-किताब चुकतु कर जीते जी मरना

पढ़ाई में मेहनत कर, लक्ष्य जैसा पुरुषार्थ करना

जहाँ है दृढ़ता की शक्ति वही होती है सफलता

त्रिकालदर्शी,आसनधारी होकर सोच समझकर कर्म करना

संकल्प रूपी बीज हो सदा शक्तिशाली

तो वाणी और कर्म में मिलती सहज सफलता

जो सदा संतुष्ट रह ,संतुष्ट करते वो ही संतुष्टमणि बनते

मेरा बाबा
ॐ शांति!!